सहयोगात्मक पर्यवेक्षण

मण्डल – इलाहाबाद

जनपद – कौशाम्बी

भ्रमण का दिनांक – 16.05.17 से 18.05.17

टीम के सदस्य

1. श्री अभय द्विवेदी, तकनीकी परामर्शदाता
2. श्री सौरभ तिवारी, कार्यक्रम समन्वयक

अभय द्विवेदी, तकनीकी सलाहकार, (एन0पी0सी0बी0) के नेतृत्व में भ्रमण टीम द्वारा इलाहाबाद मण्डल के जनपद कौशाम्बी का भ्रमण किया गया। जनपद में अनुश्रवण के दौरान निम्न महत्वपूर्ण बिन्दु प्रकाश में आये। इनका इकाईवार विवरण निम्न है।

♦ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंझनपुर – कौशाम्बी

- प्रा0स्वा0केन्द्र मंझनपुर का परिसर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में स्थित है। डा0 अरूण कुमार पटेल, प्रभारी के पद पर तैनात है।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में दिवाल–लेखन समुचित पाया गया किन्तु अन्य आई0ई0सी0 मानकानुसार लगवाने की आवश्यकता है।
- बी0एम0डब्लू0 सुचारु रूप से नही है। साफ–सफाई कराने की आवश्यकता है। वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नही लाये जा रहे थे।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक महिला एम0बी0बी0एस0 चिकित्सक एवं परिवार नियोजन परामर्शदाता/RMNCHA परामर्शदाता की आवश्यकता है।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक चिकित्साधिकारी एवं पाच स्टाफ नर्स, 18 ए0एन0एम0 एवं 01 AH परामर्शदाता तैनात है। BeMOC & SBA, PPIUCD, NSSK प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता है।
- विगत् 07 माह से संविदाकर्मियों का वेतन नही दिया गया। उक्त हेतु डा0 ज्योत्सना परिहार, आयुष चिकित्सक एवं श्री संतोष कुमार, आयुष फार्मासिस्ट, श्री राहुल कुमार पाण्डेय, बी0पी0एम0 एवं श्री ओम नारायन मिश्रा, एम0सी0टी0एस0 आपरेटर द्वारा टीम के सदस्यों को लिखित शिकायत की गई। उक्त के क्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी के पत्र संख्या मु0चि0आ0/आयुष सूचना/2016–17 दिनांक 31.3.17 के माध्यम से मिशन निदेशक महोदय से कर्मचारियो/अधिकारियों के मानदेय मद में धनराशि अवमुक्त करने हेतु निवेदन किया गया था। दिनांक 17.05.17 को जनपद में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक प्रस्तावित थी। टीम द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में प्रतिभाग किया गया एवं बैठक में वेतन के भुगतान एवं नियमित भुगतान हेतु निवेदन किया गया, जिसे समिति द्वारा तत्काल निस्तारित करने का निर्णय लिया गया।
- चिकित्सालय में तैनात नर्स मेन्टर द्वारा वरिष्ठ लिपिक पर अकारण परेशान करने का आरोप लगाया गया। टीम के सदस्यों ने मुख्य चिकित्साधिकारी को उक्त प्रकरण से अवगत कराया एवं दोनो

सदस्यों से मिलकर विवाद समाप्त किया एवं लिपिक द्वारा भविष्य में इसप्रकार की पुनर्रावृत्ती न करने की चेतावनी दी।

- चिकित्सालय में भण्डार एवं औषधियों का रख रखाव बेहद गलत तरीके से पाया गया। उक्त के क्रम में श्री कमल सिंह, फार्मासिस्ट को चेतावनी दी गई एवं मानकानुसार लेख एवं रख रखाव करने के निर्देश दिये गये।
- अभिलेख अद्यतन कराने की आवश्यकता है। चिकित्सा परिसर में घूसते ही बिजली के तारो का समुह लटका पाया गया। जिससे कभी भी कोई र्दुघटना होने की सम्भावना है। उक्त को ठीक कराने की आवश्यकता है।
- लैब में एवं इमरजेन्सी ट्रे में जीवन रक्षक दवायें मानकानुसार नही पाई गई। सीरिजं प्रयोग के उपरान्त ट्रे में खुली पाई गई। हब कटर का प्रयोग नही किया जाता पाया गयज्ञं

♦ जिला संयुक्त चिकित्सालय – कौशाम्बी

- डा0 दीपक सेठ, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के पद पर तैनात है। उनके द्वारा बताया गया कि लास्ट क्वॉर्टर में ओ0पी0डी0 का भार 19293, आई0पी0डी0 का भार 1105 है। चिकित्सालय में समान्य प्रसव 85 एवं सी0 सेक्शन प्रसव 06 है। चिकित्सालय में हाई रिक्स प्रेग्नन्सी के 40 केस पाये गये।
- जिला संयुक्त चिकित्सालय में कुल 28 चिकित्सक, 25 स्टाफ नर्स, 02 एन0एम0 एवं 01 ए0एच0एफ0डब्लू0 तैनात है।

- औषधी वितरण केन्द्र में टीम को एक एक्सपाइरी दवाएं प्राप्त हुई। श्री अशोक सिंह, फार्मसिस्ट से ज्ञात हुआ कि चिकित्सालय में जानकर किसी कर्मचारी द्वारा भ्रमण के दौरन चिकित्सालय को बदनाम करने के उद्देश्य से एक्सपाइरी दवाएं रख दी जाती है, क्योकि औषधियों को मानकानुसार दिनांक सहित लेबिलिंग करते हुये रखा जाता है, जिसकी निरतंर जांच की जाती है। उक्त हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से अवगत कराते हुये वितरण केन्द्र में सी0सी0टी0वी0 लगवाने का उपाय दिया गया।
- श्रीमती रोहणी मरीज के पति श्री सत्य प्रकाश (दूरभाष संख्या 9454072124) द्वारा डा0 सौभाग्य प्रकाश, रेडियोलॉजिस्ट पर अल्ट्रासाउंड करने हेतु रू0 100 /– की वसूली का आरोप लगाया गया। जब टीम के सदस्यों द्वारा डा0 प्रकाश से भेट करने को कहा गया तो वो चले गये।
- परिसर में एक मरीज 05 घंटों से हड्डी के डाक्टर का इंतजार करता पाया गया। उक्त मरीज प्राइवेट वाहन से आया था एवं उसकी पैर की हड्डी टूटी हुई थी। मरीज से वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि डाक्टर साहब अभी तक आये नही है।
- वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नहीं लाये जा रहे थे।
- मानव संसाधन की कमी है। सफाई की कमी है। यहां Bio Medical Waste के निस्तारण हेतु जो इलाहाबाद की एजेंसी लगी वो नियमित नही है। अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी, आर0सी0एच0, से हुई वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि इससे पूर्व की इलाहाबाद की एजेंसी नियमित थी। वर्तमान एजेंसी को पूर्ण भुगतान न होने के कारण अनियमित है। उक्त हेतु टीम द्वारा एजेंसी को पूर्ण भुगतान करने को कहा गया तथा उसके उपरान्त भी यदि एजेंसी नियमित नही होती तो एजेंसी बदलने हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही करना सुनिश्चित करने को कहा गया।
- परिसर मे नई आर0एम0सी0एच0ए0 की बिल्डींग लगभग तैयार है किन्तु अभी हस्तांतरित नही की गई है। परिसर में ठंडे पानी हेतु वाटर कुलर लगा है किन्तु उसके आस–पास बेहद गंदगी है।
- मरीजों के अटेन्डन्ट के रहने हेतु रैन बसेरा व्यवस्थित करने की आवश्यकता है, जिसमें शौचालय, लॉकर इत्यादि की सुविधा हो।
- परिसर में अव्यवस्थित रूप से यहां वहां गाडी लगी हुई थी। यदि आपातकालीन स्थिति में किसी मरीज को 108/102 से लाया जाये तो मरीज को परिसर के अंदर लाना सम्भव नही है। उक्त हेतु टीम ने गार्ड से बात की जिस पर उसने उत्तर दिया कि कोई पार्किंग नही है। दल ने बताया कि चिकित्सालय में पार्किंग नही होती किन्तु ये उनका दायित्व है कि गाड़ियों को सुव्यवस्थित रूप से लगवाये। महिला हेतु कोई भी महिला गार्ड नही है।
- मरीजों के अटेन्डन्ट के रहने हेतु रैन बसेरा व्यवस्थित करने की आवश्यकता है, जिसमें शौचालय, लॉकर इत्यादि की सुविधा हो।
- परिसर में अव्यवस्थित रूप से यहां वहां गाडी लगी हुई थी। यदि आपातकालीन स्थिति में किसी मरीज को 108/102 से लाया जाये तो मरीज को परिसर के अंदर लाना सम्भव नही है। उक्त हेतु टीम ने गार्ड से बात की जिस पर उसने उत्तर दिया कि कोई पार्किंग नही है। दल ने बताया कि चिकित्सालय में पार्किंग नही होती किन्तु ये उनका दायित्व है कि गाड़ियों को सुव्यवस्थित रूप से लगवाये। महिला हेतु कोई भी महिला गार्ड नही है।

♦ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिराथू – कौशाम्बी

- सी0एच0सी0 पहचने हेतु मार्ग में संकेतको को लगवाने की आवश्यकता है। दिवाल लेखन समुचित पाया गया किन्तु अन्य आईई0सी0 के प्रदर्शन की आवश्यकता है। परिसर में निर्मित 30 शय्या मातृ एवं शिशु चिकित्सालय की बिल्डींग नई थी।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिराथू में कुल 01 चिकित्सक, 01 स्टाफ नर्स, 01 एन0एम0 एवं 01 ए0एच0 परामर्शदाता तैनात है। स्टाफ नर्स को छोड़कर सभी को प्रशिक्षण की आवश्यकता है।
- 102 एवं 108 एम्बुलेन्सों की सुविधा देखने को प्राप्त हुई किन्तु उसके विषय में जानकारी नही प्रर्दशित की गई। मानकानुसार 108 व 102 का दीवाल लेखन नहीं कराया गया था। प्रभारी चिकित्साधिकारी से नियमानुसार दीवाल लेखन कराये जाने की आवश्यकता है।
- 10 प्रतिशत जे0एस0एस0वाई0 का भुगतान लंबित पाया गया। टीम के सदस्यों को उक्त के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त हुई कि मरीजों को उक्त के क्रम में न तो कोई जानकारी है और न ही उनका

कोई अकाउन्ट है। उक्त के क्रम में संबंधित को निर्देशित किया गया कि पूर्व में मरीजों को सम्पूर्ण जानकारी दी जानी सुनिश्चित की जायें एवं जिनके लंबित है उनसे सम्पर्क स्थापित कर भुगतान किया जाये।

- औषधि वितरण सिस्टमेटिक कराने की आवश्यकता है। चौकीदारों आदि की कमी पाई गई।
- प्रोटोकॉल पोस्टर परिसर में लगे हुए थे । ई0डी0एल0 लिस्ट (Essential Drug List) दीवार पर प्रदर्शित थी परन्तु लिखे हुए अक्षर बड़े एवं उचित प्रकार से प्रदर्शित नहीं थी । ई0डी0एल0 लिस्ट में दवाओं की उपलब्धता के बारे में भी नहीं लिखा हुआ था ।
- साफ–सफाई की आवश्यकता है। शौचालय बेहद गंदा पाया गया एवं महिला के शौचालय में ताला लगा हुआ पाया गया। परिसर में जानवर घूमते पाये गये एवं जगह जगह कूडें के ढेर देखने को मिले। उक्त हेतु नियमित सफाई की आवश्यकता है।
- वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नही लाये जा रहे थे। पलेसेन्टा के निस्तारण की समुचित व्यवस्था नही पाई गई। जगह जगह कूडें को जलाया हुआ पाया गया।
- चिकित्सालय में आशाओं का प्रशिक्षण आयोजित पाया गया। प्रशिक्षण में आशाओं एवं आशा संगनी में जानकारी की कमी पाई गई। उक्त हेतु समुचित प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

♦ नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ग्राम सभा असरावलकला – कौशाम्बी

- नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र असरावलकला तक पहूंचने के कोई संकेतक नही लगे। मुख्य गेट पर नाम का बोर्ड लगा है किन्तु मार्ग में भी संकेतकों का लगवान अत्यंत आवश्यक है।
- मानव संसाधन की कमी है। चिकित्सालय में डा0 शारिक करीम, प्रभारी के पद पर कार्यरत है। चिकित्सालय में 03 चिकित्सक, 01 स्टाफ नर्स एवं 01 ए0एन0एम0 तैनात है।
- मानकानुसार 108 व 102 का दीवाल लेखन नहीं कराया गया था। प्रभारी चिकित्साधिकारी से नियमानुसार दीवाल लेखन कराये जाने की आवश्यकता है।
- मरीजों के अटेन्डन्ट के रहने हेतु रैन बसेरा व्यवस्थित करने की आवश्यकता है, जिसमें शौचालय, लॉकर इत्यादि की सुविधा हो।
- सिटीजन चार्टर व अन्य सूचनाओं जैसे जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम व टीकाकरण आदि का दीवाल लेखन कराया गया था। प्रभारी चिकित्साधिकारी से नियमानुसार दीवाल लेखन कराये जाने की आवश्यकता है।
- लेबर रूम में आक्सीजन सिलेन्डर की चाबी नहीं थी सक्शन ऑपरेटर कार्य नहीं कर रहा था एवं उपकरणों को विसंक्रमित करने की कोई व्यवस्था नहीं थी।
- कोल्ड चेन की व्यवस्था असंतोषजनक थी। कक्ष में साफ सफाई नहीं थी।
- औषधि वितरण सिस्टमेटिक कराने की आवश्यकता है। कई औषधियां एक्सपाइरी डेट के करीब पाई गई। औषधियों को निरंतर चेक करने की आवश्यकता है।
  शिकायतों के पंजीकरण व निस्तारण से सम्बन्धित कोई भी अभिलेख नहीं तैयार किये जा रहे थे। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने की आवश्यकता है।

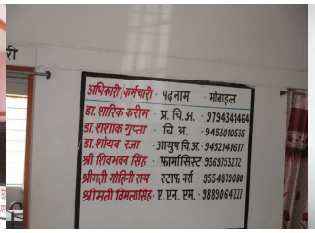

♦ उपकेन्द्र डहिया अमिरसा – कौशाम्बी

- उपकेन्द्र अमिरसा तक पहूंचने के कोई संकेतक नही लगे। मुख्य मार्ग के अन्दर होने के कारण संकेतकों का लगवान अत्यंत आवश्यक है।
- साफ–सफाई की आवश्यकता है। उपलब्ध औषधियां की उपलब्धता/सेवायें दिवारों में अंकित कराने की आवश्यकता है।
- श्रीमती गीता सिंह, ए0एन0एम0, श्रीमती सरिता देवी आगनबाडी कार्यकर्ता, श्रीमती रीता देवी एवं श्रीमती शिवकुमारी आशा तैनात है। उक्त समस्त कर्मी प्रशिक्षण सम्बंधी किसी भी प्रकार की जानकारी से अनभिज्ञ पाई गई। उक्त कर्मियों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है।
- बिल्डिंग की दशा जर्जर पाई गई। बिल्डिंग की मरम्मत की आवश्यकता है अन्यथा कोई बडी र्दुघटना होनी की सम्भावना है। उक्त दशा में मरीजो का प्रसव कराने में अत्यंत कठिनाईयों का

सामना करना पड़ता है। MOIC महोदय से मरम्मत की व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

- बी0एम0डब्लू0 सुचारु कराने की आवश्यकता है। वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नहीं लाये जा रहे थे। बायोमेडिकल वेस्ट प्रबन्धन की कोई ब्यवस्था नही थी। उपकेन्द्र से सम्बंधित कूड़ा परिसर के अन्दर डाला जा रहा है और वही पर जलाया जा रहा है शेष कूड़े को जानवर फैला रहे थे।
- बिजली के बैकअप की आवश्यकता है। जनरेटर या इन्वरटर की सुविधा की समुचित व्यवस्था की आवश्यकता है।
- 102 एवं 108 एम्बुलेन्सों का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। उपक्रेन्द्र पर किसी भी प्रकार की आई0ई0सी0 सामग्री प्रदर्शित नही की गयी थी। दीवाल लेखन पर्याप्त मात्रा में पाया गया किन्तु आई0ई0सी0 प्रदर्शित कराने की आवश्यकता है।

(श्री सौरभ तिवारी)
कार्यक्रम समन्वयक, (एम0एण्ड0ई0)

(श्री अभय द्विवेद्वी)
तकनीकी सलाहकार, (एन0पी0सी0बी0)